सर्व तीर्थ वन्दना

श्री अरिहंत सिद्ध आचार्योपाध्याय मुनिवर वंदन।
देवशास्त्रगुरु के चरणों में सविनय बारम्बार नमन।।१।।

गर्भजन्मतप ज्ञान मोक्ष पांचों कल्याणक को वन्दन।
तीर्थंकर की जन्म भूमियों को मैं सादर करुं नमन।।२।।

तीर्थ अयोध्या श्रावस्ती कौशाम्बीपुर काशी वंदन।
चन्द्रपुरी काकंदी भद्दिलपुर हस्तिनापुरी वन्दन।।३।।

सिंहपुरी कंपिला रत्नपुरी मिथिला शौर्यपुरी वंदन।
राजगृही चंपापुर कुन्डलपुर वैशाली करुं नमन।।४।।

जिन प्रभु समवशरण, पंच कल्याणक, अतिशय क्षेत्र नमन।
वीतराग निर्ग्रन्थ मुनीश्वर श्री जिनवाणी को वंदन।।५।।

तीर्थंकर निर्वाण क्षेत्र अरु सिद्ध क्षेत्र को वंदन।
चंपा पावा उर्जयंत सम्मेदशिखर कैलाश नमन।।६।।

शंत्रुंजय पावागढ़ तारंगा गिरि तुंगीगिरि वंदन।
कुन्थलगिरि गजपंथ चूलगिरि सोनागिरि को करुं नमन।।७।।

कोटिशिला रेवातट पावागिरि द्रोणागिरि को वंदन।
रेशंदीगिरि कुण्डलगिरि मंदारगिरि पटना वंदन।।८।।

श्री सिद्धवरकूट गुणावा मथुरा राजगृही वंदन।
मुक्तागिरि पोदनपुर आदिक सिद्ध क्षेत्रों को वन्दन।।९।।

विपुलाचल वैभार स्वर्णगिरि उदयरत्नगिरि को वन्दन।
अहिच्छेत्र की ज्ञान भूमि को ज्ञान प्राप्ति हित करुं नमन।।१०।।

ढ़ाई द्वीप के सिद्ध क्षेत्र अरु अतिशय क्षेत्रों को वन्दन।
मन वचन काया शुद्धि पूर्वक सब तीर्थों को करुं नमन।।११।।